1936
सत्य • सार्थक • सदैव

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

सोमवार
09 मई 2022, हल्द्वानी

अल्मोड़ा/बागेश्वर संस्करण, वर्ष 12, अंक 108, 16 पेज, मूल्य ₹ 7.00 • ...च प्रदेश • 21 संस्करण

मदर्स-डे के दिन घर लौटे बेटे को देख छलक आई मां की आंखें

संस्था का प्रयास

रानीखेत/अल्मोड़ा, हिटी। रानीखेत तहसील के ग्राम पंचायत बोहरागांव निवासी एक युवक पांच साल बाद घर लौट आया। उसे खोजने और फिर घर पहुंचाने में श्रद्धा रिहैबिलिटेशन फाउंडेशन संस्था का बड़ा योगदान रहा। मदर्स- डे पर बेटे को देख मां भी भाव विभोर हो गई। पांच साल बाद बेटे के घर वापस आते ही मां और परिजन गले लगाकर फफक-फफक कर रो पड़े।

दरअसल, रानीखेत तहसील के बोहरागांव निवासी जीवन पुत्र शिव सिंह मानसिक हालत ठीक नहीं होने के चलते पांच साल पहले घर से लापता हो गया। इसके बाद परिजनों ने उसकी काफी खोज की, लेकिन जीवन का कहीं पता नहीं लगा। इधर, श्रद्धा रिहैबिलिटेशन फाउंडेशन के

05 साल पहले लापता हो गया था जीवन

बेटे के लौटने पर खुशी से झलके मां के आंसू

सदस्यों को जीवन को दिल्ली की सड़कों पर बदहवास हालत में धूमते देखा और उसका रेस्क्यू कर अपने संस्थान में दाखिल किया। इसके बाद मनोचिकित्सक और रैमन मैग्सेसे अवार्डी डॉ. भरत वातवानी की देखरेख में जीवन का इलाज हुआ। मनोवैज्ञानिक शैलेश शर्मा ने जीवन कि कॉउंसलिंग की। इसमें जीवन ने परिवार की जानकारी देते हुए घर जाने की इच्छा जताई। इसके बाद बरेली निवासी शैलेश शर्मा जीवन को लेकर उनके घर पहुंचे। शैलेश शर्मा ने बताया कि संस्था सड़कों पर भटकने वाले मनोरोगियों के उपचार और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करती है।

रानीखेत में पांच साल बाद अपने परिवार से मिला बोहरागांव का जीवन। • हिन्दुस्तान